

-रसाभारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 200]

नई विल्ली, मंगलवार, जून 17, 1975 अयेध्ठ 27, 1897

No. 200]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 17, 1975/JYAIST HA 27, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 17th June 1975

S.O. 263(E).—Is exerrise of the powers conferred by Sections 4 and 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby directs that the following Rules shall extend to, and come into force in, the State of Sikkim with effect on and from the date of publication of this notification in the Official Gazette, namely:—

- (i) The Indian Telegraph Rules, 1951.
- (ii) The Indian Wireless Telegraphy (Commercial Radio Operators Certificates of Proficiency and Licence to Operate Wireless Telegraphy) Rules, 1954.
- (iii) The Indian Wireless Telegraphy (Amateur Service) Rules, 1958.
- (iv) The Indian Wircless Telegraphy (Experimental Service) Rules, 1962.
- (v) The Indian Wireless Telegraphy (Demonstration Licence) Rules, 1962.
- (vi) The Licensing of Wireless Receiving Apparatus Rules, 1965.
- (vii) The Indian Wireless Telegraph Rules, 1973.
- (viii) The Indian Wireless Telegraph (Foreign Aircraft) Rules, 1973.

[No. R.11011/4/74-LR]

संचार मंत्रालय

ग्रधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 17 जून, 1975

का० न्ना० 263(म).—भारतीय तारयन्त्र ग्रियिनयम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और 7 द्वारा प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश करती है कि निम्नलिखित नियम, इस प्रश्निसूचना के राज्यत्रके प्रकाशन को तारीख को ग्रीर उसमे, सिक्किन राज्य में विस्तारित होंगे, ग्रीर प्रवृत्त होंगे, ग्राथीत् :—

- (एक) भारतीय तारयन्त्र नियम, 1951
- (दी) ारतीय वेतार तारयांत्रिकी (वाणिज्य रेडियो प्रचालन प्रवीणता-प्रमाणपत्र ग्रीर वेतार तारयांत्रिकी प्रचालन भ्रमुत्तिकी नियम, 1954
- (तीन) भारतीय बेतार तार्यांतिकी (प्रेयानुशीली सेवा) नियम, 1958
- (च।र) भारतीय बेतार तारयांत्रिको (प्रायाधिक सेवा) नियम, 1962
- (पांच) भारतीय बेतार तारयांत्रिकी (प्रदर्शन ऋनुत्तरित) नियम, 1962
- (छ:) बेরাर श्रभिग्राही सःधित श्रनुज्ञापन नियम, 1965
- (सात) भारतीय बेतार तारयन्त्र नियम, 1973
- (মাত) भारतीय बेतार तारयन्त्र (विदेशी वायुयान) नियम, 1973।

[सं ग्रार 11011/4/74-एल भार]

S.O. 264(E).—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and Section 10 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933), the Central Government hereby directs that the Commercial Broadcast Receiver Licensing (Dealers) Rules, 1965 shall extend to, and come into force in, the State of Sikkim with effect on and from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. R.11011/4/74-LR] S. M. AGARWAL, Addl. Secy.

का॰ ग्रा॰ 264 (ग्र).—भारतीय तारयन्त्र श्रधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 तथा भारतीय के ार तारयांत्रिकी श्रधनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शिंक प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश करती है कि वाणिज्यिक प्रसारण श्रभिप्राही अनुजापन (व्योहारी) नियम, 1965, इस श्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को ग्रौर उससे, सिवित म राज्य में विस्तारित ग्रौर प्रवृत्त होंगे।

[सं ० म्रार० 11011/4/74-एल० म्रार०] सूरजमल म्रग्रवाल, म्रवर सचिष ।